टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

E
Batch - 2020-21

एम्. ए. हिंदी (द्वितीय वर्ष)

परीक्षा : मई – २०२२

सत्र – ३

विषय : आधुनिक काव्य (भाग–१) (HDS - 301)

दि.: २७/०५/२०२२ **कुल अंक : १००** **समय : दो २.०० से दो ५.३०**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'कामायनी' काव्य की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. २ 'चिंता सर्ग' में अभिव्यक्त मनु की चिंता को स्पष्ट करते हुए, कामायनी शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ३ 'आनंद सर्ग' में प्रकृति चित्रण और उसमें अभिव्यक्त दार्शनिक भावों को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ४ 'कामायनी' महाकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ५ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य में राम के मन में युद्ध के संदर्भ में कौन कौन से विचार निर्माण होते हैं ?

प्र. ६ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य में चित्रित समस्याओं पर सविस्तार प्रकाश डालिए ।

प्र. ७ 'संशय की एक रात' खंडकाव्य के कलापक्ष एवं भावपक्ष को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ८ खंडकाव्य की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए 'संशय की एक रात' खंडकाव्य में चित्रित संशय के स्वरुप को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ९ **निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।**

१) चेतना का सुंदर इतिहास, अखिल मानव भावों का सत्य,
विश्व के हृदय पटलपर दिव्य, अक्षरों से अंकित हो नित्य ।

२) बनो संसृति के मूल रहस्य, तुम्हीं से फैलेगी वह बेल,
विश्व भर सौरभ से भर जाए, सुमन के खेलो सुंदर खेल।

३) जहाँ अब कोई पथ नहीं,
पथांत है,
वह भी युद्धाभिमुख!

४) लंका यदि ध्रुव पर भी होती,
तो भाग नहीं पाती,
बंधु ! लक्ष्मण के पौरुष से ।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१) मनु का परिचय

२) हनुमान के चरित्र की योजना

३) ईड़ा की प्रतीकात्मता

४) 'संशय की एक रात' शीर्षक